

प्रेषक,

डा० उमाकान्त पवार,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पर्यटन निदेशालय,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 20 दिसम्बर, 2014

विषय:- वित्तीय वर्ष 2014-15 में केन्द्र वित्त पोषित योजना के अन्तर्गत भवाली-रामगढ़-मुक्तेश्वर-धारी-भीमताल-सातताल-हरीशताल-हैडाखान-हल्द्वानी वैलनेस पर्यटन सर्किट की अवशेष धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-273/2-6-767/2014-15, दिनांक 21 सितम्बर, 2014 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विषयगत योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत योजना की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ भारत सरकार द्वारा अवमुक्त अन्तिम किस्त धनराशि ₹ 106.87 लाख (लपये एक करोड़ छः लाख सतासी हजार मात्र), को निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख ₹ में)

क्र. सं.	योजना का नाम	आगणन की लागत	भारत सरकार द्वारा जारी शासनादेश	अवमुक्त की जा रही धनराशि	
				RTGS की दिनांक	धनराशि
1	2	3	4	5	
1	भवाली-रामगढ़-मुक्तेश्वर-धारी-भीमताल-सातताल-हरीशताल-हैडाखान-हल्द्वानी वैलनेस पर्यटन सर्किट	746.87	No.5-PNC (29)/2010 Dated 06-08-2014	22-08-14 (अन्तिम किस्त 20%)	106.87
	<b>Total</b>	<b>746.87</b>			<b>106.87</b>

- योजना के सम्बन्ध में भारत सरकार के स्वीकृत सम्बन्धी शासनादेश में वर्णित शर्तों एवं प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपर्युक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- आगणन में प्राविधानित बिजानेन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियंता एवं अधीक्षण अभियंता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-2047/XIV-219 (2006), दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

- (viii) उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2015 से पूर्व पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।  
(ix) कार्यदायी संस्था के निर्धारण में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।  
(x) व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।  
(xi) धनराशि व्यय करने के उपरान्त उपयोगिता प्रमाण पत्र तैयार कर शासन के माध्यम से भारत सरकार को प्रेषित किये जाने हेतु प्रस्तुत किया जायेगा।

2- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26, लेखाशीर्षक 5452-पर्यटन पर पूंजीगत परिव्यय-01-पर्यटक अवसंरचना-800-अन्य व्यय-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पोषित योजनाए-01-डेस्टीनेशनस एवं सर्किट्स हेतु आवश्यकता विकास-24-वृहत निर्माण मद के नामे डाला जायेगा।

3- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-476/XXVII(2)/2014, दिनांक 12 दिसम्बर, 2014 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

4- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2014-15 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी-S.14.1226.0.19.7.....द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय,

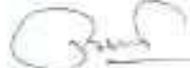
(डा० उमाकान्त पंवार)  
सचिव।

संख्या-8486 / VI(i) / 2014-02(19) / 2014, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- आयुक्त कुमाऊ मण्डल।
- 3- वित्त अधिकारी, साइबर ट्रेजरी, 23 लक्ष्मी रोड, डालनवाला देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी नैनीताल।
- 5- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, नैनीताल।
- 6- वित्त अनुनाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

  
(प्रकाश चन्द्र भट्ट)  
उप सचिव।

८४